कुंजी

DATE 2.5.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School Sector-33-B, Chandigarh

कक्षा - आठवीं
विषय - हिंदी साहित्य

दिनांक - 2.5.24
शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा

कुंजी

पुस्तक - नवतरंग भाग-8

पाठ-1 'शब्द बड़े अनमोल' (कविता) कवि- 'दीपक गोस्वामी'

प्रश्नोत्तर - (पाठ बोध)

* संक्षेप में -

उत्तर (क) कवि दीपक गोस्वामी के अनुसार 'शब्द' मनुष्य की प्रकृति के अनुसार कार्य करते हैं। वाणी में मीठे शब्द हृदय को हर्षित करते हैं, वहीं कड़वे शब्द मन में विष घोलने का कार्य करते हैं। 'तीखे' या 'पैने शब्द' हृदय पर ऐसा आघात करते हैं जिससे हृदय छिल जाता है। इन शब्दों से समय-समय पर पोल खोलने में लोगों को मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त 'शब्द' एक व्यक्ति को उसकी पहचान दिलाने में सहायक होते हैं।

उत्तर (ख) शब्दों को हथियार बनाकर लोग शब्द रूपी बाणों से तीखे वार करते हैं जिससे सुनने वाले के मन को ठेस पहुँचती है। नित्य नए-नए होने वाले घोटालों को ये शब्द ही उजागर करते हैं। शब्दों का आश्रय लेकर लोग समय-समय पर किसी की भी पोल खोल सकते हैं।

* विस्तार से -

उत्तर (क) शब्दों के भी प्रभाव बड़े हैं, मन के भाव छिपाए पड़े हैं।
उर में फैली विष-बेलें हैं, कथन में रखते हैं मधु घोल।

उत्तर (ख) 'शब्द खूब किलोल हैं करते' - इस पंक्ति का यह अर्थ

(प्रश्न-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुगनशर्मा

विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-1 के प्रश्नोत्तर)

DATE 2.5.24
PAGE No. 2

कुंजी

# कुंजी

है कि शब्द उल्लास एवं खुशी का भाव जागृत करते हैं। शब्दों द्वारा ही मनुष्य दूसरों की प्रशंसा करता है जोकि मनुष्य को खुशी प्रदान करते हैं। शब्द-प्रेम प्रकट कर हम किसी को भी आन्तरिक खुशी प्रदान कर सकते हैं। जो भाव हम अपनी आँखों से व्यक्त नहीं कर पाते हैं, उन्हें शब्दों के द्वारा सजीव रूप दे सकते हैं।

उत्तर- (ग) तुलसीदास, सूरदास, जायसी, मीराबाई आदि भक्त कवियों ने अपनी भक्ति-भावना को प्रकट करने के लिए शब्द रूपी कविता, हिन्दी साहित्य के रूप में संसार को देकर अमरता प्राप्त की है अर्थात् अमर हो गए। इनके उच्चकोटि के शब्द इनकी काव्य रचना हैं। इन कविताओं में शब्दों के बल पर इन्होंने अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

कविता की पंक्तियों के भाव :- 'उर में फैली विष-बेलें हैं
कथन में रखते हैं मधु-घोल।'

उत्तर-(क) प्रस्तुत पंक्ति का अर्थ है कि कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जोआपके मुँह पर मीठे वचन बोलकर आपकी तारीफ़ करते हैं लेकिन पीठ पीछे यही व्यक्ति आपकी बुराई करते हैं। मौका मिलने पर आपको हानि पहुँचाने का हर संभव प्रयास करते हैं। इनके हृदय ज़हर से भरे होते हैं लेकिन दिखावे के लिए मीठे वचन बोलते हैं। ऐसे लोगों के मुँह में राम बगल में छुरी होती है।

उत्तर (ख) 'ये शब्द तो धार भी धरते, तीखे-तीखे वार हैं करते।'
इस पंक्ति में कवि ने शब्दों को बहुत पैना बताया है जब वे कड़वे रूप में बोले जाते हैं। ऐसे शब्द हृदय को छलनी कर देते हैं। कहा भी गया है - तीर का लगा गहरे से गहरा घाव भी कुछ समय में भर जाता है लेकिन मुख से निकले शब्दों के बाण से घायल हुए हृदय के घाव कभी नहीं भरते हैं।



Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा DATE 2.5.24
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ - 1) दिनांक 20.4.23 PAGE No. 3

कुंजी - कुंजी

उत्तर (ग) 'मीठे बोल हृदय हर्षाते, कड़वे देते उर विष घोल' —
कवि कहते हैं कि शब्दों का भी अपना स्वभाव होता है। कुछ शब्द कड़वे होते हैं जो मनुष्य के हृदय पर दुष्प्रभाव छोड़ते हैं। दूसरे शब्द मधुर होते हैं जिन्हें सुनकर मनुष्य का मन खुशी से भर जाता है। मीठे बोल सभी का मन हर्षाते हैं, वहीं कड़वे शब्द सुनने वाले के हृदय में कड़वाहट भर देते हैं। इसलिए मानव जीवन में शब्दों का बड़ा महत्त्व है।

उत्तर (घ) 'छोटे मुख की ज्ञानी बातें, आँखें बहुत रही हैं खोल।'
इस पंक्ति का भाव यह है कि छोटे बच्चों के मुख से निकले शब्दों में बहुत ज्ञान भरा होता है। यह ज्ञान किसी की भी आँखें खोल सकता है। कभी-कभी लोग भ्रम के जाल में फँसे रहते हैं। वे सोचते हैं कि बड़े लोग ही बड़ी और ज्ञान की बातें कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति आँखें खोलकर भी उस सच्चाई को देख व समझ नहीं पाता तो ऐसी स्थिति में शब्द ही कारगर सिद्ध होते हैं।

*————* अन्तिम पृष्ठ - 3

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner